ई संदेश

25 जून, 2026 | अंक - 211

सात दिन, सात पृष्ठ

योग दिवस 21 जून, 2026

- उन्नाव में ₹570 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास को मिली नई गति
- प्राकृतिक खेती खुशहाली और बेहतर स्वास्थ्य का मजबूत आधार:मुख्यमंत्री
- ललितपुर के विकास में जुड़ा एक नया अध्याय: ₹1,766 करोड़ की परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण और शिलान्यास
- झांसी से विकसित भारत का शंखनाद: ₹37,000 करोड़ के निवेश और अद्वितीय इंफ्रास्ट्रक्चर से बदलेगी बुंदेलखंड की तस्वीर
- मुख्यमंत्री ने योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का किया आह्वान
- महोबा में ₹697 करोड़ की 88 परियोजनाओं से विकास और पर्यटन के बढ़ेंगे कदम
- एक्सप्रेस-वे, औद्योगिक क्रांति और जल संरक्षण से अग्रणी हो रहे बुंदेलखंड में जुडी हमीरपुर की ₹636 करोड़ की विकास परियोजनाएं
- उत्तर प्रदेश में जल संरक्षण बनेगा जनआंदोलन: मुख्यमंत्री
- ग्लोबल हब के रूप में उभरी सुहाग नगरी फिरोजाबाद: मुख्यमंत्री
- ताला नगरी से रक्षा आपूर्ति का नया केंद्र बना अलीगढ़: मुख्यमंत्री
- जनसुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता, पूरे प्रदेश में व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान संचालित हो : मुख्यमंत्री
- सुरक्षा, स्थिरता और तीव्र विकास के मॉडल से उत्तर प्रदेश बना देश का अग्रणी निवेश गंतव्य : मुख्यमंत्री
- गूगल सहित वैश्विक दिग्गजों ने सराहा उत्तर प्रदेश के विकास का रोडमैप

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

उन्नाव में ₹570 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास को मिली नई गति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 18 जून, 2026 को जनपद उन्नाव के अंतर्गत विधानसभा सदर तथा भगवंत नगर की 570 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 101 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, प्रमाणपत्र, स्वीकृति पत्र और आवास की चाबियां भी सौंपीं। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सरोकारों से जुड़ते हुए महिलाओं की गोद भराई तथा बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में आज एक नया भारत और नया उत्तर प्रदेश वैश्विक पटल पर पूरी मजबूती और गौरव के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। वैश्विक आर्थिक मंदी और ऊर्जा संकट के दौर में भी देश की जनता को सुरक्षित रखते हुए आस्था के सम्मान और अर्थव्यवस्था को निरंतर सुदृढ़ किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान सरकार में विकास और विरासत के साथ कोई समझौता नहीं किया जा रहा है। पूर्ववर्ती सरकारों में व्याप्त घूसखोरी और सिफारिशी संस्कृति को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। अब सरकारी अधिकारी स्वयं गरीब के घर जाकर उसे स्वीकृत आवास और शौचालय की जानकारी देते हैं। प्रदेश के नागरिकों को बिना किसी बाधा के मुफ्त राशन, रसोई गैस कनेक्शन, विभिन्न पेंशन योजनाएं और आयुष्मान भारत योजना के तहत ₹5 लाख का स्वास्थ्य कवच प्राप्त हो रहा है। नए उत्तर प्रदेश में नारी गरिमा की सुरक्षा, स्वावलंबन और युवाओं के लिए रोजगार सर्वोपरि है, जिसके लिए 'मिशन शक्ति' जैसी योजनाएं पूरी प्रतिबद्धता के साथ चलाई गईं।

सांस्कृतिक और साहित्यिक दृष्टि से समृद्ध उन्नाव की पावन धरा का नमन करते हुए मुख्यमंत्री जी ने राजा रामराव बख्श सिंह और वीर गुलाब सिंह लोधी जैसे अमर बलिदानियों को याद किया, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। इसके साथ ही उन्होंने पंडित सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और डॉ. शिवमंगल सिंह 'सुमन' जैसे महान साहित्यकारों की इस भूमि को प्रदेश के विकास में एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि लखनऊ और कानपुर के मध्य स्थित होने के बावजूद जो उन्नाव पूर्व में स्वयं को उपेक्षित महसूस करता था, वह अब फोर-लेन कनेक्टिविटी के जरिए सीधे विकास की मुख्यधारा से जुड़ चुका है।

उन्नाव के औद्योगिक और आर्थिक कायाकल्प के लिए शासन की बड़ी योजनाओं की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहां डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए 700 एकड़ और गंगा एक्सप्रेस-वे पर इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित करने के लिए लगभग 200 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की कार्यवाही को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इससे क्षेत्र में तेजी से नए उद्योग स्थापित होंगे और स्थानीय युवाओं को भरपूर रोजगार मिलेगा। उन्नाव को 'स्टेट कैपिटल रीजन' (SCR) का हिस्सा बनाया गया है, जिससे विकास अब लखनऊ तक सीमित न रहकर सीधे कानपुर तक विस्तारित होगा। दिल्ली-मेरठ की तर्ज पर लखनऊ से उन्नाव होते हुए कानपुर तक 'रैपिड रेल' चलाने का प्रस्ताव आगे बढ़ाया गया है, और साथ ही लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी तथा रायबरेली को आपस में जोड़ने के लिए एक विशाल रिंग रोड का निर्माण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश के उत्कृष्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को रेखांकित करते हुए कहा कि एक्सप्रेस-वे और बेहतरीन एयर कनेक्टिविटी में उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष स्थान पर है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का प्रारंभ होना प्रदेश की तरक्की का एक नया ग्रोथ इंजन बन रहा है। देश का सबसे बड़ा गंगा एक्सप्रेस-वे, जो कि ग्लोबल स्टैंडर्ड के अनुरूप निर्मित है, उन्नाव को सीधे दिल्ली और प्रयागराज से जोड़ता है। मुख्यमंत्री जी ने पूरे प्रदेश को अपना घर और उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता को अपना परिवार बताते हुए आश्वस्त किया कि वर्तमान सरकार आगामी 100 वर्षों की कार्ययोजना को ध्यान में रखकर वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रही है, और आने वाले समय में प्रदेश की हर विधानसभा क्षेत्र में ऐसी ही तीव्र विकास प्रक्रिया निरंतर आगे बढ़ती रहेगी।

प्राकृतिक खेती खुशहाली और बेहतर स्वास्थ्य का मजबूत आधार:मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 18 जून, 2026 को चन्द्र शेखर आजाद कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित 'प्राकृतिक खेती कार्यशाला-2026' में सहभागिता करते हुए प्राकृतिक कृषि को प्रोत्साहन देने एवं अन्नदाता किसानों को नवीनतम तकनीक से जोड़ने के विजन को साझा किया। विश्वविद्यालय परिसर में अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात मुख्यमंत्री जी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक सौंपे और किसानों को श्रीअन्न (मिलेट्स) की मिनी किट वितरित कीं। शासन की प्राथमिकताओं को दर्शाती प्राकृतिक खेती पर आधारित एक भव्य प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री जी द्वारा आत्मीयता से अवलोकन भी किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक खेती भारत की समृद्धि का मुख्य आधार बन सकती है, जो अन्नदाता किसानों की उत्पादन लागत को न्यूनतम कर उनके मुनाफे को कई गुना बढ़ाने में पूरी तरह सहायक है। उन्होंने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नए ने एक बदलते और सशक्त होते भारत को देखा है, कीर्तिमान स्थापित करने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 12 वर्षों में पूरे विश्व जो बिना रुके और बिना डिगे अपनी समृद्ध विरासत तथा आधुनिक विकास को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। जब तक देश अपने संसाधनों और किसानों के सामर्थ्य पर विश्वास करता रहा, तब तक भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में शीर्ष पर रहा। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने पुनः अपनी जड़ों की ओर लौटना शुरू किया, जिससे कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधार देखने को मिल रहे हैं।

किसानों के हित में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा उठाए गए क्रांतिकारी कदमों को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि अतीत की तुलना में आज किसानों को उनकी उपज का न्यूनतम डेढ़ गुना दाम (एमएसपी) सुनिश्चित कराया जा रहा है, जिसने कृषि क्षेत्र की बदहाली को पूरी तरह समाप्त कर दिया। सॉयल हेल्थ कार्ड के माध्यम से धरती माता के स्वास्थ्य के परीक्षण की शुरुआत हुई और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जरिए आपदा के समय किसानों को सुरक्षा की शत-प्रतिशत गारंटी मिली। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, नए प्रोक्योरमेंट सेंटर्स की स्थापना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी दूरदर्शी योजनाओं ने किसानों के जीवन को खुशहाल बनाया। मुख्यमंत्री जी ने साझा किया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में फर्टिलाइजर के एक बैग की कीमत ₹4,000 होने के बावजूद सरकार किसानों को एक चौथाई से भी कम दाम में खाद उपलब्ध करा रही है और शेष भारी सब्सिडी का वहन स्वयं भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है।

केमिकल फर्टिलाइजर और पेस्टीसाइड (रासायनिक खादों व कीटनाशकों) के अत्यधिक प्रयोग से मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहे दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री जी ने इसे 'जहर मुक्त खेती' के जरिए ठीक करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि रासायनिक खेती से उपजा खाद्यान्न वैश्विक मानकों पर अनफिट हो जाता है, साथ ही यह मानव शरीर में किडनी खराब होने, लिवर सिरोसिस, ब्लड प्रेशर और शुगर जैसी गंभीर बीमारियों का मुख्य कारण बन रहा है। दवाइयों और रासायनिक खादों पर होने वाले भारी खर्च को बचाकर यदि किसान गौ-आधारित प्राकृतिक खेती को अपनाते हैं, तो उन्हें प्रति एकड़ ₹10,000 से ₹12,000 की सीधी बचत होगी। मुख्यमंत्री जी ने प्रसन्नता व्यक्त की कि उत्तर प्रदेश में विगत 4-5 वर्षों से इस दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत गंगा नदी के किनारे स्थित 27 जनपदों और बुंदेलखंड के 7 जनपदों को प्राकृतिक खेती के लिए विशेष रूप से चिन्हित किया गया है, जहाँ के किसानों ने सराहनीय प्रगति की है। प्राकृतिक कृषि को सीधे तौर पर गौ माता के संरक्षण से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गौ-आधारित खेती न केवल पर्यावरण को बचाती है बल्कि हमारी सांस्कृतिक आस्था को भी पुष्ट करती है। राज्य सरकार ने निराश्रित गौवंश के भरण-पोषण के लिए प्रदेश में 7,700 से अधिक आधुनिक गौशालाओं का निर्माण कराया है, जिनमें वर्तमान में 14 लाख से अधिक गौवंश पूरी तरह सुरक्षित हैं। 'मुख्यमंत्री निराश्रित-बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना' के अंतर्गत

पशुपालकों को एक गाय की देखभाल के लिए ₹1,500 प्रतिमाह (चार गायों पर ₹6,000 प्रतिमाह) की वित्तीय सहायता सीधे प्रदान की जा रही है, जिससे लगभग डेढ़ लाख पशुपालक सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने देसी गाय के गोबर और मूत्र से 'जीवामृत' बनाकर खेती करने की वैज्ञानिक पद्धति पर जोर दिया, जो भूमि की उर्वरा शक्ति को प्राकृतिक रूप से बढ़ाती है।

प्रशासनिक स्तर पर प्राकृतिक खेती को और अधिक सुगम बनाने के संकल्प को दोहराते हुए मुख्यमंत्री जी ने आश्वस्त किया कि नेचुरल फार्मिंग के उत्पादों के सर्टिफिकेशन (प्रमाणीकरण) की प्रक्रिया को बेहद आसान बनाया जा रहा है। उत्पादों की आकर्षक पैकेजिंग करने और उन्हें बड़ी कृषि मंडियों व बाजारों तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए एक सुदृढ़ मैकेनिज्म तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही, उन्होंने किसानों से खेतों में पराली न जलाने की अपील करते हुए उसे एथेनॉल, कंप्रेस्ड बायोगैस (CBG) और सीएनजी जैसे ईंधनों के निर्माण में योगदान देने को कहा, जिससे अन्नदाता ऊर्जा क्षेत्र में भी देश को आत्मनिर्भर बना सकें। मुख्यमंत्री जी ने दृढ़ता से कहा कि वर्ष 2047 के विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए 'स्वस्थ भारत' का होना अनिवार्य है और इसमें देश के परिश्रमी अन्नदाता तथा हमारी समृद्ध कृषि परंपरा ही सबसे मजबूत स्तंभ साबित होगी।

ललितपुर के विकास में जुड़ा एक नया अध्याय: ₹1,766 करोड़ की परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण और शिलान्यास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 20 जून, 2026 को जनपद ललितपुर के अंतर्गत विधानसभा सदर तथा महरौनी की ₹1,766 करोड़ की लागत वाली 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन ऐतिहासिक सौगातों में नवनिर्मित राजकीय मेडिकल कॉलेज, ललितपुर का भव्य लोकार्पण भी शामिल रहा। समारोह के दौरान उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को डिजिटल और भौतिक रूप से लाभान्वित करते हुए प्रतीकात्मक चेक, स्वीकृति पत्र, प्रमाणपत्र, नए आवासों की चाबियां और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ट्रैक्टर की चाबियां प्रदान कीं।

इस गरिमामयी अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं होता और यही प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली लाता है। प्रदेश की 25 करोड़ जनता को अपना परिवार बताते हुए उन्होंने कहा कि समाज के हर तबके, युवाओं, महिलाओं, अन्नदाता किसानों, हस्तशिल्पियों और व्यापारियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़कर ही उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदली है। जो ललितपुर कभी मूलभूत सुविधाओं जैसे सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और शुद्ध पेयजल के लिए तरसता था, वह आज डबल इंजन सरकार के प्रयासों से प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ आधुनिक विकास के शिखर की ओर अग्रसर है।

बुन्देलखण्ड में हुए इस युगांतकारी परिवर्तन की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में यह पूरा क्षेत्र अब एक वैश्विक मॉडल बनकर उभरा है। ललितपुर में देश के पहले अत्याधुनिक 'फार्मा पार्क' और 'बल्क ड्रग पार्क' की स्थापना के लिए डेढ़ हजार एकड़ क्षेत्रफल को आरक्षित किया गया है, जो आने वाले समय में क्षेत्र के हजारों युवाओं के लिए नौकरी और रोजगार के नए द्वार खोलेगा। पेयजल संकट के स्थायी समाधान के रूप में 'हर घर नल योजना' ने यहाँ की माताओं-बहनों को सिर पर घड़ा रखने की विवशता से सदा के लिए मुक्त कर दिया है। इसके साथ ही, दशकों से लंबित अर्जुन सहायक परियोजना, रतौली बांध, बावनी बांध, कचनौंदा बांध और गढ़गांव-चिल्ली स्प्रिंकल जैसी उन्नत सिंचाई परियोजनाओं के समयबद्ध पूरा होने से अन्नदाता किसानों की आय कई गुना बढ़ चुकी है।

औद्योगिक और तकनीकी उन्नति के मोर्चे पर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का प्रमाण देते हुए मुख्यमंत्री जी ने बुन्देलखण्ड डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर की सफलताओं को साझा किया, जिसने देश की सामरिक शक्ति को अभूतपूर्व मजबूती दी है। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के क्षेत्र में 'बालिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी' और महिला स्वयं सहायता समूहों के बढ़ते कदम आज पूरे प्रदेश के लिए आदर्श बन चुके हैं। वहीं युवाओं को स्वावलंबी और सफल उद्यमी बनाने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' के माध्यम से ब्याज और गारंटी मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे युवाओं को अब उधार लेने की आवश्यकता नहीं रह गई है। आयुर्वेद और भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को नया विस्तार देने के लिए प्रदेश में एक विशेष आयुष फार्मा पार्क बनाने की कार्ययोजना भी तैयार की जा रही है।

वैश्विक मोर्चे पर भारत की मजबूत आर्थिक और राजनीतिक स्थिति की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक अशांति के कारण जब पूरी दुनिया में ईंधन की आपूर्ति बाधित थी, तब प्रधानमंत्री जी के कुशल वित्तीय प्रबंधन से भारत में न तो ऊर्जा का संकट खड़ा हुआ और न ही महंगाई अनियंत्रित हुई। वैश्विक मंच पर देश के बढ़ते गौरव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी को दुनिया के 33 से अधिक देशों से सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्त होना प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री जी ने दृढ़ संकल्प दोहराया कि बिना रुके, बिना थके और बिना डिगे कार्य कर रही वर्तमान सरकार प्रदेश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

झांसी से विकसित भारत का शंखनाद: ₹37,000 करोड़ के निवेश और अद्वितीय इंफ्रास्ट्रक्चर से बदलेगी बुंदेलखंड की तस्वीर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 20 जून, 2026 को जनपद झांसी में आयोजित भव्य 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' में सहभागिता करते हुए प्रदेश के सर्वांगीण विकास और आत्मनिर्भरता की नई रूपरेखा प्रस्तुत की। क्रांति की इस ऐतिहासिक भूमि पर जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक पटल पर सबसे तेज गति से बढ़ने वाली चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। उन्होंने देश के विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि भारत की वास्तविक प्रगति तभी संभव है जब उत्तर प्रदेश के साथ-साथ झांसी समेत सूबे का प्रत्येक जनपद, ग्राम पंचायत और नगर निकाय आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। इसी सामूहिक जनभागीदारी का साक्षात परिणाम है कि अयोध्या में भव्य श्रीरामलला का राष्ट्र मंदिर राष्ट्र निर्माण के एक नए युग की शुरुआत के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

सुशासन और विकास के मोर्चे पर डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को साझा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ आज बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक लोक-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जांबाज सैनिकों, नक्सल क्षेत्रों में तैनात पैरामिलिट्री बलों और सुरक्षा में तत्पर पुलिस बल के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए उन्होंने सभी नागरिकों को ईमानदारी के साथ अपने नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन की सीख दी। प्रधानमंत्री जी द्वारा दिए गए 'पंचप्रण' की प्रासंगिकता पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि गुलामी की मानसिकता का पूर्ण उन्मूलन और अपनी समृद्ध विरासत का गौरव गान ही देश को स्वावलंबी बना सकता है। आक्रांताओं और पिछली सरकारों के कुप्रबंधन के कारण जिस भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी ऐतिहासिक ऊंचाइयों से गिरकर मात्र दो प्रतिशत रह गई थी, वह आज पुनः अपने सामर्थ्य के बल पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र के औद्योगिक और इंफ्रास्ट्रक्चर कायाकल्प की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि वर्तमान में यहाँ रिकॉर्ड निवेश के साथ विकास की अभूतपूर्व बयार बह रही है। झांसी, चित्रकूट, कानपुर, आगरा, लखनऊ और अलीगढ़ को शामिल करते हुए निर्मित किए जा रहे 'डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर' के लिए शासन को ₹37,000 करोड़ के भारी-भरकम निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जो स्थानीय स्तर पर हजारों युवाओं के लिए गरिमापूर्ण रोजगार का सृजन कर रहे हैं। इस कॉरिडोर के माध्यम से बुन्देलखण्ड की धरती पर बनने वाली आधुनिक तोपें और ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें देश की सामरिक सुरक्षा को अभूतपूर्व शक्ति प्रदान कर रही हैं। इसके साथ ही, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे का मूर्त रूप लेना, झांसी से होकर गुजरने वाला डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, झांसी, जालौन व ललितपुर में मेडिकल कॉलेजों का सुदृढ़ संजाल और 'बीडा' (BIDA) के रूप में भारत के सबसे बड़े औद्योगिक शहर का विकास इस पूरे क्षेत्र को आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति को प्रमाणित करता है।

झांसी की वीर वीरांगनाओं और महान विभूतियों को नमन करते हुए मुख्यमंत्री जी ने महारानी लक्ष्मीबाई, झलकारीबाई, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त, प्रसिद्ध रचनाकार वृन्दावन लाल वर्मा और हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द के गौरवशाली इतिहास को याद किया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों की नीतिगत पंगुता और स्पष्ट नीयत के अभाव के कारण बुंदेलखंड का युवा जो पहले पलायन के लिए विवश था, वह आज 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' के अंतर्गत मिल रही गारंटी व ब्याज मुक्त वित्तीय सहायता का लाभ उठाकर एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित हो रहा है। इसके साथ ही, स्थानीय कला और पारंपरिक कारीगरों को वैश्विक मंच प्रदान करने के लिए 'एक जनपद एक उत्पाद' (ओडीओपी) और 'पीएम विश्वकर्मा' जैसी दूरगामी योजनाएं धरातल पर चमत्कारिक परिणाम ला रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा और सांस्कृतिक अखंडता के लिए सामाजिक एकजुटता को अनिवार्य बताते हुए जाति, भाषा और संप्रदाय के नाम पर समाज को बांटने वाली ताकतों से सजग रहने की अपील की। उन्होंने प्राचीन ज्ञान की धरोहरों जैसे तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और देश के कुंभ क्षेत्रों की ज्ञान-साझाकरण परंपरा का उल्लेख करते हुए अपनी कला, संस्कृति और स्थानीय भाषाओं के संरक्षण पर विशेष बल दिया। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण और उत्तम स्वास्थ्य के दृष्टिगत किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया गया, जो लागत को कम कर भूमि की उर्वरा शक्ति को सुरक्षित रखती है।

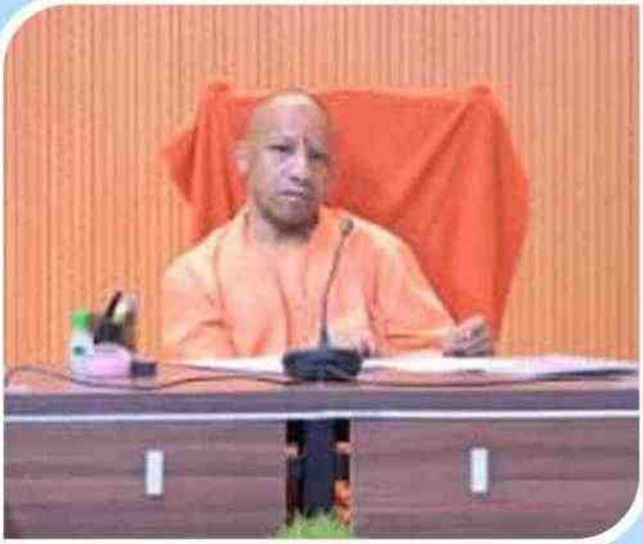

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 20 जून, 2026 को पश्चिम बंगाल से पी0एम0 किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त के रूप में18,880 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि देश के 9.44 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में जारी की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी झाँसी स्थित आयुक्त सभागार से वर्चुअल माध्यम से इस कार्यक्रम से जुड़े। आज जारी किस्त के माध्यम से उत्तर प्रदेश के 2.17 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हुए, उनके बैंक खातों में 4352.40 करोड़ रुपये की धनराशि अन्तरित हुई। मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया।

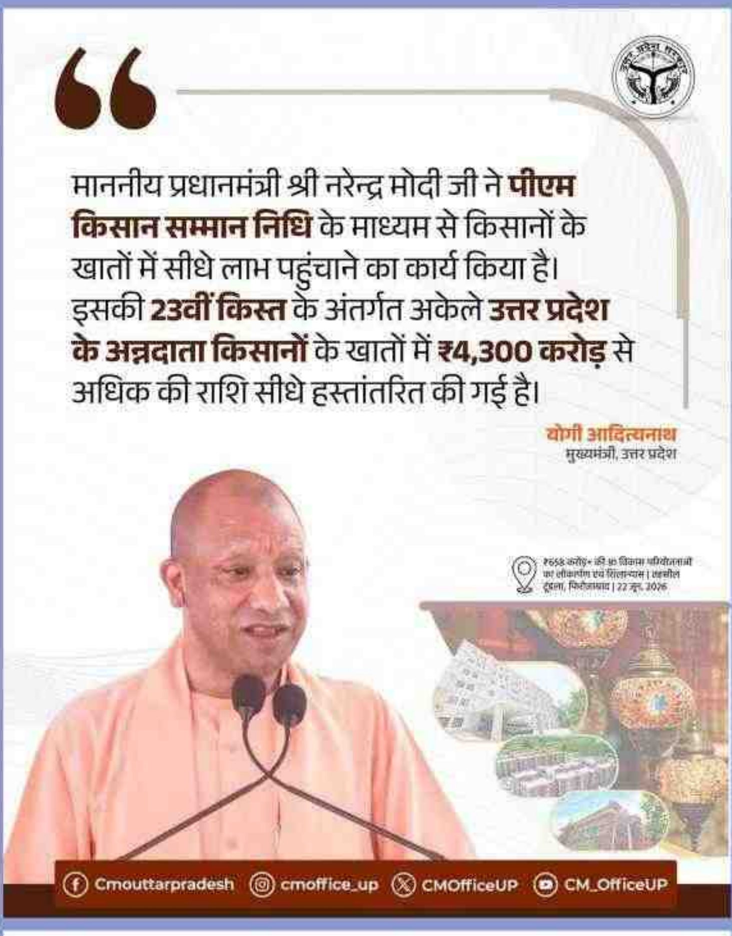

मुख्यमंत्री ने योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का किया आह्वान

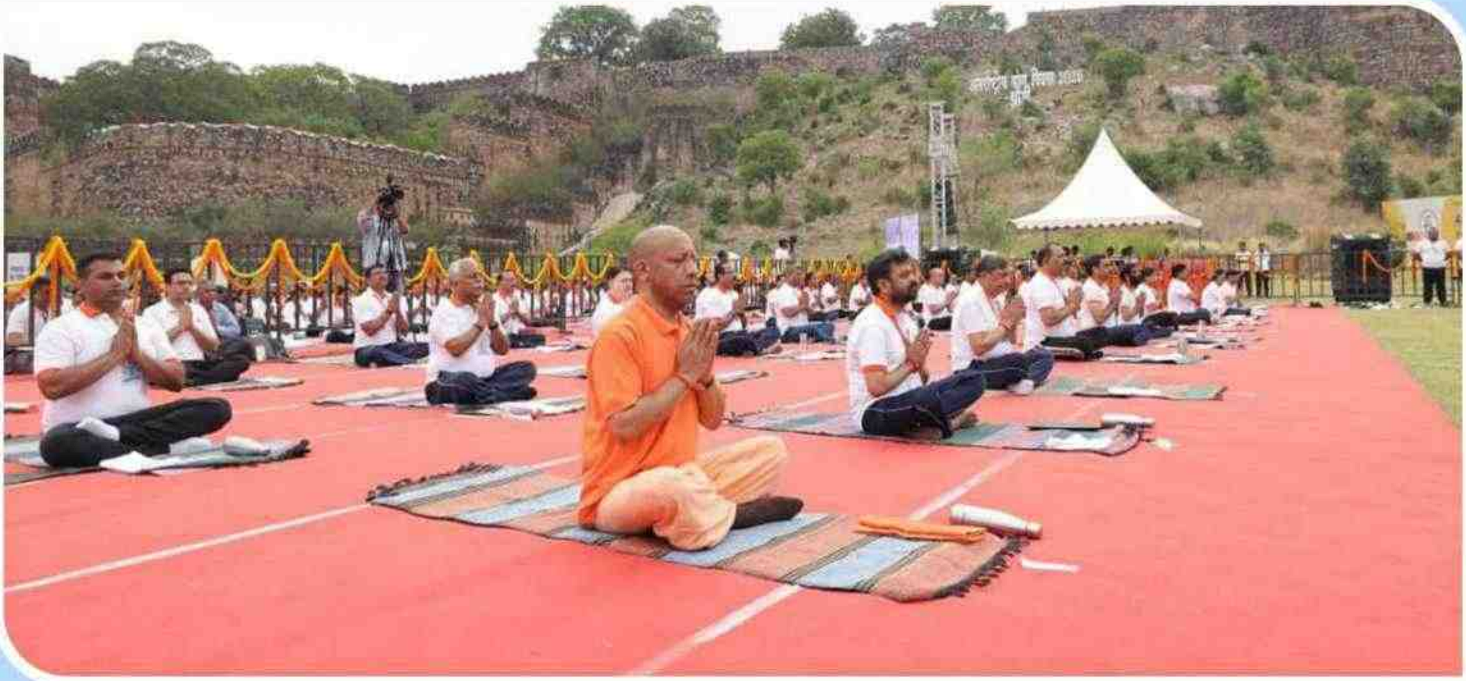

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 21 जून, 2026 को जनपद झांसी के ऐतिहासिक मैदान में आयोजित 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के भव्य सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए प्रदेशवासियों को उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की नई राह दिखाई। इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने योगाभ्यास करने के साथ ही आयुष विभाग की विशेष ई-पत्रिका का गरिमामयी विमोचन भी किया। जनसभा में अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने सफल 12 वर्षों के कार्यकाल के दौरान भारत की प्राचीन योग परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व मान्यता दिलाई है। आज प्रधानमंत्री जी के प्रयासों से ही आयुष मंत्रालय का गठन हुआ, जिसने भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने और 140 करोड़ भारतीयों को वैश्विक मंच पर गौरवान्वित करने में योग एक अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध हुआ।

इस वर्ष 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' (स्वस्थ आयु के लिए योग) की विशेष थीम पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री जी ने प्राचीन सनातन मान्यता 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' का उल्लेख किया और बताया कि एक स्वस्थ शरीर ही जीवन के सभी पुरुषार्थों और लक्ष्यों को प्राप्त करने का एकमात्र साधन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वस्थ नागरिक ही एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र की वास्तविक आधारशिला होते हैं। एक स्वस्थ शिक्षक अपने विद्यार्थियों को उच्च संस्कार देता है, एक स्वस्थ किसान कृषि क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करता है, एक स्वस्थ श्रमिक राष्ट्र निर्माण को गति देता है और एक स्वस्थ वैज्ञानिक देश के विकास के लिए नए-नए अनुसंधान करता है। चूंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क, बुद्धि और आत्मा का निवास होता है, इसलिए यह प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व बनता है कि वे योग का व्यापक प्रचार-प्रसार करें और इसे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं।

वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती सांस्कृतिक साख की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री जी ने साझा किया कि आज दुनिया के लगभग 200 देश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों से जुड़कर भारत की इस महान स्वास्थ्य परंपरा के प्रति अपनी गहरी निष्ठा व्यक्त कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के विजन के कारण ही आज देश के युवाओं के लिए आयुष विधा के क्षेत्र में रोजगार और सेवा के नए द्वार खुले हैं। प्रकृति के साथ जीवन जीने की ऋषि परंपरा को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि 21 जून की तिथि को सूर्य का सान्निध्य सबसे लंबे समय तक प्राप्त होता है, जो संपूर्ण चराचर जगत की जीवंतता और ऊर्जा का साक्षात प्रमाण है। उन्होंने वासन्तीय और शारदीय नवरात्रि के मध्य काल को भी ऊर्जा काल बताते हुए कहा कि योग दिवस पर सूर्य से प्राप्त होने वाली इस असीम ऊर्जा को सभी को अपने अंतःकरण में धारण करना चाहिए। भगवान शिव के काल से चली आ रही इस महान योग विद्या को हमारे पूज्य ऋषियों-मुनियों ने आगे बढ़ाया, जिसे वर्तमान सरकार ने पुनः वैश्विक गौरव प्रदान किया है।

योग के चमत्कारी और वैज्ञानिक प्रभावों को शास्त्रों के श्लोकों के माध्यम से स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि नियमित योगाभ्यास की अग्नि से जब शरीर तप जाता है और पंच तत्वों पर पूर्ण अधिकार हो जाता है, तब साधक के जीवन से रोग, बुढ़ापा और मृत्यु का भय पूरी तरह समाप्त हो जाता है। सुशासन और प्रशासनिक समन्वय के अद्भुत उदाहरण के रूप में उन्होंने जानकारी दी कि जहाँ एक ओर प्रदेश की माननीय राज्यपाल जी ने राजधानी लखनऊ के जन भवन में इस योग कार्यक्रम को अपना नेतृत्व प्रदान किया, वहीं शासन के माननीय उप मुख्यमंत्री द्वय और समस्त मंत्रीगण, वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने प्रदेश के अलग-अलग जनपदों में उपस्थित रहकर कार्यक्रम को भव्यता दी। यह ऐतिहासिक आयोजन प्रदेश की सभी 57,000 ग्राम पंचायतों, 825 विकास खंड मुख्यालयों, 350 तहसीलों और 762 नगर निकायों में पूरी दिव्यता के साथ एक महापर्व के रूप में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने भी उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया। इस गरिमामयी योग महोत्सव में विधान परिषद के माननीय सभापति, स्थानीय सांसद, विधान परिषद सदस्यगण, क्षेत्र के विभिन्न माननीय विधायकगण, झांसी के महापौर सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक, योग साधक और आम जन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री जी ने दृढ़ता से दोहराया कि वर्ष 2047 के विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए एक 'स्वस्थ भारत' का होना अनिवार्य है, और वर्तमान सरकार प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को निरोगी, स्वावलम्बी और ऊर्जावान बनाने के इस पुनीत अभियान को निरंतर पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाने के लिए कृतसंकल्पित है।

योग दिवस 2026

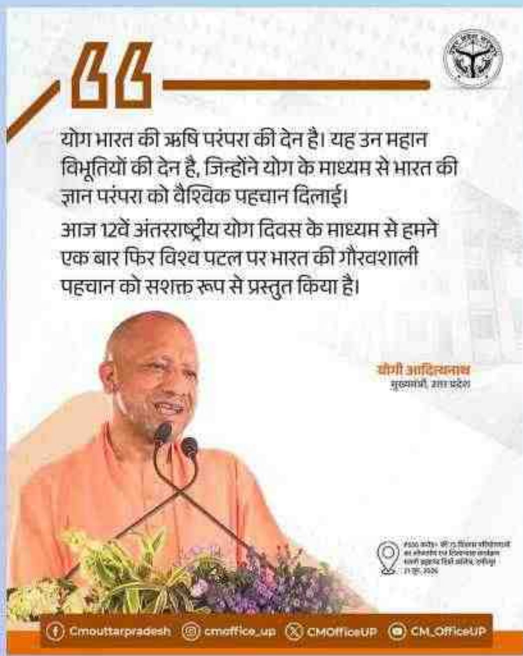

योग भारत की ऋषि परंपरा की देन है। यह उन महान विभूतियों की देन है, जिन्होंने योग के माध्यम से भारत की ज्ञान परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाई।
आज 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से हमने एक बार फिर विश्व पटल पर भारत की गौरवशाली पहचान को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया है।
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
Cmouttarpradesh cmoffice_up CMOfficeUP CM_OfficeUP

इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम योगा फॉर हेल्दी एजिंग अर्थात स्वस्थ आयु के लिए योग है। भारतीय परंपरा में सदैव यह माना गया है कि शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्—अर्थात स्वस्थ शरीर ही जीवन के सभी पुरुषार्थों की प्राप्ति का आधार है।
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
Cmouttarpradesh cmoffice_up CMOfficeUP CM_OfficeUP

महोबा में ₹697 करोड़ की 88 परियोजनाओं से विकास और पर्यटन के बढ़ेंगे कदम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 21 जून, 2026 को जनपद महोबा में ₹697 करोड़ से अधिक लागत की 88 महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, प्रमाणपत्र, स्वीकृति पत्र और नए आवासों की चाबियां प्रदान कीं। इससे पूर्व, उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का बारीकी से अवलोकन किया तथा सामाजिक सरोकारों को गति देते हुए महिलाओं की गोदभराई और बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया। महोबा आगमन पर मुख्यमंत्री जी ने ऐतिहासिक गोरखगिरि पर्वत मंदिर में पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना भी की।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में आज उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। प्रदेश की 25 करोड़ जनता को अपना परिवार बताते हुए उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार हर नागरिक के कल्याण और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है, जिससे अब प्रदेशवासियों के सामने पहचान का कोई संकट नहीं रह गया है। गुरु गोरखनाथ की पावन साधना स्थली, चंदेल राजवंश की ऐतिहासिक विरासत और वीर आल्हा-ऊदल के शौर्य से जुड़ी महोबा की इस वीरधरा को नमन करते हुए उन्होंने घोषणा की कि ऐतिहासिक गोरखगिरि पर्वत को अब पर्यटन के एक बड़े केंद्र के रूप में विकसित कर दिया गया है। आगामी कार्ययोजना के तहत यहाँ एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए रोप-वे, बेहतरीन होटल और रेस्टोरेंट जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे।

महोबा की सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान को वैश्विक मंच प्रदान करने के लिए शासन द्वारा किए गए प्रयासों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि यहाँ के विश्व प्रसिद्ध 'देशावरी पान' को सरकार ने जी०आई० (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) टैग दिलाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्रदान की है। उन्होंने युवाओं में राष्ट्रप्रेम और वीरता के भाव को जगाने के लिए पारंपरिक अखाड़ों के जीर्णोद्धार तथा राष्ट्र निर्माण में यहाँ के ग्रेनाइट उद्योग के अमूल्य योगदान को सराहा। इसके साथ ही, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के भव्य देशव्यापी आयोजनों का उल्लेख करते हुए योग को शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का माध्यम बताया, जो लोक-कल्याण के मार्ग को प्रशस्त करता है।

बुन्देलखण्ड को पानी के संकट से हमेशा के लिए मुक्त करने के संकल्प को दोहराते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों द्वारा लोकार्पित 'अर्जुन सहायक सिंचाई परियोजना' को डबल इंजन सरकार ने मिशन मोड पर पूरा कराया, जिससे महोबा और बांदा की हजारों हेक्टेयर भूमि सिंचित होकर अन्नदाता किसानों के जीवन में खुशहाली ला रही है। उन्होंने चंदेल राजाओं द्वारा निर्मित ऐतिहासिक तालाबों के जल संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों को इनके डीसिल्टेशन (सफाई) अभियान को आगे बढ़ाने को कहा। 'हर घर नल योजना' के माध्यम से माताओं-बहनों को पेयजल की स्थाई सुविधा दी जा रही है। वहीं 'केन-बेतवा नहर परियोजना' और रतौली, बावनी, कचनौंदा व चिल्ली स्प्रिंकल जैसी आधुनिक सिंचाई प्रणालियों के पूर्ण होने से बुन्देलखण्ड में जल की समस्या का संपूर्ण समाधान सुनिश्चित हो रहा है। इसके साथ ही, कबरई बांध के विस्थापित किसानों के वर्षों से लंबित मुआबजे का पारदर्शी भुगतान कर अन्नदाताओं के सम्मान को अक्षुण्ण रखा गया।

सुरक्षा और सुशासन को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व जो बुन्देलखण्ड खराब कनेक्टिविटी और विभिन्न माफियाओं की अराजकता से त्रस्त था, वह आज कानून-व्यवस्था के सुदृढ़ होने से सुरक्षित औद्योगिक हब बन चुका है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे और 'बीडा' (BIDA) के रूप में भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक शहर यहाँ बसने जा रहा है। डिफेंस कॉरिडोर में बन रही तोपें और मिसाइलें देश की सीमाओं को अभेद्य बना रही हैं। सरकार ने विगत 9 वर्षों में जरूरतमंदों को मुफ्त राशन, आवास, शौचालय और स्वास्थ्य सुविधाएं देने के साथ-साथ बेटियों की शिक्षा के लिए ₹25,000 और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत ₹1 लाख की भव्य वित्तीय सहायता देकर नारी गरिमा को सर्वोच्च स्थान दिया है। मुख्यमंत्री जी ने महोबा, हमीरपुर और चित्रकूट में नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और 'एक जनपद एक उत्पाद' (ओडीओपी) के जरिए स्थानीय लोक परंपराओं व उत्पादों को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के अपने संकल्प को पुनः दोहराया।

एक्सप्रेस-वे, औद्योगिक क्रांति और जल संरक्षण से अग्रणी हो रहे बुंदेलखंड में जुडी हमीरपुर की ₹636 करोड़ की विकास परियोजनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 21 जून, 2026 को जनपद हमीरपुर में ₹636.82 करोड़ की कुल लागत वाली 75 महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन दूरगामी योजनाओं में ₹225.08 करोड़ लागत की 34 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा ₹411.73 करोड़ लागत की 41 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल रहा। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को ₹6.49 करोड़ से अधिक की वित्तीय सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक, टूलकिट और स्वीकृति पत्र वितरित किए, जिसमें ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रदान किया गया ₹6.30 करोड़ का सामुदायिक निवेश कोष (सीआईएफ) विशेष रूप से शामिल रहा।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा किवर्ष 2017 से पूर्व जो बुंदेलखंड पेयजल संकट, खराब सड़कों, अवैध खनन और माफियाराज के कारण पहचान के संकट से जूझ रहा था, वह आज डबल इंजन सरकार के प्रयासों से विकास की मुख्यधारा में शीर्ष पर है। शासन की सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के कारण आज व्यापारी, बेटियां और आम नागरिक पूरी तरह सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री जी ने युवाओं की उच्च और तकनीकी शिक्षा को भविष्य के अनुकूल बनाने के लिए स्वामी ब्रह्मानंद महाविद्यालय को एक विशाल विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने हेतु प्रस्ताव तैयार करने का आह्वान किया, जिससे आस-पास के जिलों के कॉलेज भी संबद्ध हो सकें।

बुंदेलखंड के औद्योगिक कायाकल्प को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान में यह क्षेत्र देश की बड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है। झांसी के समीप 'बीडा' (BIDA) के रूप में भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक शहर बसाया जा रहा है, जहां निवेश प्रस्ताव आने शुरू हो गए हैं। इसके साथ ही, हमीरपुर सहित पूरे बुंदेलखंड में हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेके सीमेंट, रिमझिम इस्पात, एनटीपीसी सोलर प्लांट और गेल इंडिया के फ्लोटिंग सोलर प्लांट जैसी बड़ी परियोजनाएं औद्योगिक संभावनाओं को नई मजबूती दे रही हैं। डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के जरिए अब उत्तर प्रदेश में तोपें, गोला-बारूद और मिसाइलें बन रही हैं, जिसने देश की सामरिक सुरक्षा को अभेद्य बना दिया है। परिवहन सुविधाओं को सुदृढ़ करने के क्रम में राठ के लिए एक नए आधुनिक बस स्टैंड की स्वीकृति दी गई, जिसे परिवहन विभाग तेजी से पूर्ण करेगा।

नारी गरिमा और ग्रामीण स्वावलंबन की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने साझा किया कि 'हर घर नल योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन से बुंदेलखंड की माताओं-बहनों को पानी के पुराने संकट से हमेशा के लिए मुक्ति मिल गई है। आज ग्रामीण महिलाएं बालिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी, ड्रोन दीदी, लखपति दीदी और बीसी सखी के रूप में आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की बढ़ती साख का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रयासों से आज देश की प्राचीन योग विधा को वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई है, और 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर दुनिया के लगभग 100 देश भारत की इस ऋषि परंपरा से जुड़े हैं। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए अब पुलिस और अन्य प्रतिष्ठित सरकारी भर्तियों में पूरे बुंदेलखंड के नौजवानों को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

आगामी समय में अल-नीनो के प्रभाव के दृष्टिगत जल संकट से बचाव के लिए मुख्यमंत्री जी ने सभी नागरिकों से जल संरक्षण को अपना नैतिक कर्तव्य मानने की अपील की। उन्होंने अर्जुन सहायक, कबरई, रतौली, भावनी, कचनौदा बांध तथा केन-बेतवा लिंक जैसी वृहद सिंचाई और स्प्रिंकलर परियोजनाओं को जल सुरक्षा का मजबूत कवच बताया। मुख्यमंत्री जी ने पर्यावरण संतुलन और उत्तम स्वास्थ्य के लिए कम पानी वाली वैज्ञानिक खेती अपनाने तथा खनन क्षेत्रों में जन अभियान चलाकर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता को अपना परिवार बताते हुए कहा कि वर्तमान सरकार जाति, क्षेत्र और भाषा के भेदों से ऊपर उठकर शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार के मोर्चे पर एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ प्रदेश को देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

उत्तर प्रदेश में जल संरक्षण बनेगा जनआंदोलन: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 21 जून, 2026 को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश में मौसम की स्थिति, मानसून की प्रगति, निर्बाध पेयजल आपूर्ति तथा भूजल संरक्षण सम्बन्धी महत्वपूर्ण कार्यों की व्यापक समीक्षा की। मौसम विशेषज्ञों द्वारा वर्ष 2026 में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान उत्तर प्रदेश में सामान्य से कम वर्षा होने की दी गई जानकारी के दृष्टिगत मुख्यमंत्री जी ने मौसम की अनिश्चितता से निपटने के लिए अग्रिम तैयारियां सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने जल संरक्षण को एक बड़ा जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए स्पष्ट किया कि प्रत्येक प्रदेशवासी को जल संचयन एवं जल संरक्षण के प्रयासों से सक्रिय रूप से जुड़ना होगा ताकि पानी की एक भी बूंद व्यर्थ न जाए। इसी क्रम में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में संचालित 'कैच द रेन' अभियान को राज्य में और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाए और व्यापक जनभागीदारी के माध्यम से वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया जाए।

प्रदेश के नागरिकों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखते हुए मुख्यमंत्री जी ने कड़े निर्देश दिए कि सूबे के किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए और जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह से निर्बाध एवं सुचारु बनी रहे। कम वर्षा की संभावित परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने सिंचाई, पंचायतीराज, भूगर्भ जल, नमामि गंगे, राजस्व तथा कृषि विभाग को आपसी समन्वय के साथ एक समेकित कार्ययोजना तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी। ग्रामीण क्षेत्रों के तालाबों और पोखरों को प्रदूषण से बचाने तथा गांवों के गंदे पानी को उनमें जाने से रोकने के लिए पंचायतीराज विभाग को विशेष व्यवस्था विकसित करने को कहा गया। इसके साथ ही, अमृत सरोवरों के संरक्षण, स्वच्छता तथा नियमित रख-रखाव पर विशेष ध्यान देते हुए सरकारी भवनों को वर्षा जल संचयन के आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करने की बात कही गई।

बैठक में शासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भूजल संवर्धन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों से आए ऐतिहासिक और सकारात्मक बदलावों के आंकड़े प्रस्तुत किए गए। भूगर्भ जल विभाग के माध्यम से अवगत कराया गया कि वर्ष 2013 में प्रदेश में अतिदोहित विकासखण्डों की संख्या जहां 113 थी, वह वर्तमान सरकार की बेहतर नीतियों के कारण वर्ष 2025 में घटकर मात्र 44 रह गई है। वर्ष 2017 में अन्य स्रोतों से होने वाला भूजल पुनर्भरण जो लगभग 30.59 लाख करोड़ लीटर था, वह वर्ष 2025 में बढ़कर 35.79 लाख करोड़ लीटर तक पहुंच गया। इसी गौरवपूर्ण अवधि में प्रदेश का कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण भी 69.91 लाख करोड़ लीटर से बढ़कर 73.39 लाख करोड़ लीटर की शानदार ऊंचाई पर पहुंच चुका है, जो जल संरक्षण के प्रति सरकारी संकल्प को पूरी तरह प्रमाणित करता है।

इसके अतिरिक्त, सतत विकास लक्ष्य-6 (SDG-6) के अंतर्गत भूजल दोहन की दर को नियंत्रित कर 70 प्रतिशत के आदर्श स्तर पर लाने का महत्वपूर्ण लक्ष्य भी उत्तर प्रदेश ने सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है। पिछले दस वर्षों के दौरान बेहतरीन प्रबंधन से प्रदेश के 361 विकासखण्डों के भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है, जबकि वर्ष 2021 से 2025 के मध्य 29 जनपदों में औसत भूजल स्तर में भारी बढ़ोतरी देखी गई है। राज्य के 172 विकासखण्डों में प्रतिवर्ष 10 सेन्टीमीटर से अधिक तथा 69 विकासखण्डों में दस वर्षों के दौरान 20 सेन्टीमीटर से अधिक का सुधार दर्ज किया गया है। यह शानदार सफलता भूगर्भ जल विभाग द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश अटल भूजल योजना, इण्डो-इज़राइल बुन्देलखण्ड जल परियोजना, वर्षा जल संचयन थीम पार्क, रूफटॉप वर्षाजल संचयन और सुदृढ़ भूजल निगरानी नेटवर्क जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों के सटीक क्रियान्वयन का ही परिणाम है।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा नदियों की सिल्ट सफाई कार्यों की प्रगति से भी मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री जी ने भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिए कि आगामी वर्षों की समस्त कार्ययोजनाओं में जल संरक्षण के साथ-साथ हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) और आधुनिक सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को अनिवार्य रूप से जोड़ा जाए। उन्होंने मौसम विभाग से मानसून की साप्ताहिक रिपोर्ट नियमित रूप से उपलब्ध कराने की अपेक्षा की ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। मुख्यमंत्री जी ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि सुशासन, विभागीय सजगता और सजग जनसहभागिता के समन्वय से उत्तर प्रदेश जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में पूरे देश के समक्ष एक उत्कृष्ट और आत्मनिर्भर मॉडल के रूप में प्रस्तुत होगा।

ग्लोबल हब के रूप में उभरी सुहाग नगरी फिरोजाबाद: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 22 जून, 2026 को जनपद फिरोजाबाद में ₹658 करोड़ से अधिक लागत की 81 महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन ऐतिहासिक सौगातों में टूंडला विधानसभा क्षेत्र की ₹452 करोड़ तथा शिकोहाबाद विधानसभा क्षेत्र की ₹206 करोड़ की परियोजनाएं शामिल रहीं। इस पावन अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों को नए घरों की चाबियां सौंपी और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक व प्रमाणपत्र वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई भव्य विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया और सामाजिक समरोहों के अंतर्गत महिलाओं की गोदभराई तथा बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि सिद्ध संत बाबा नीम करौली की जन्मस्थली और सुहाग नगरी के रूप में विख्यात फिरोजाबाद ने अपने परिश्रमी कारीगरों और श्रमिकों के बल पर 'लोकल से ग्लोबल' बनने की एक अत्यंत गौरवशाली यात्रा तय की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में कार्य कर रही डबल इंजन सरकार ने फिरोजाबाद के पारंपरिक ग्लास उद्योग (कांच उद्योग)को आधुनिक तकनीक और नवाचार का एक नया केंद्र बना दिया है। यही कारण है कि यहाँ के हुनरमंद कारीगरों द्वारा निर्मित भगवान गणपति, श्रीराम दरबार, राधा-कृष्ण, शिव और बुद्ध की उत्कृष्ट कांच की मूर्तियां व कलाकृतियां आज वैश्विक स्तर पर धूम मचा रही हैं। इस अद्भुत कलात्मक प्रगति के कारण फिरोजाबाद के ग्लास उद्योग ने चीन के बने उत्पादों को बाजार से पूरी तरह बाहर कर दिया है, जिससे भारतीय पर्व-त्योहारों पर स्वदेशी उत्पादों का वर्चस्व स्थापित हुआ।

व्यापारियों और उद्यमियों के हित में उठाए गए क्रांतिकारी कदमों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि वर्ष 2017 से पूर्व फिरोजाबाद के उद्योग प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जटिलताओं से त्रस्त थे, जिन्हें वर्तमान सरकार ने पर्यावरण अनुकूल नीतियों के माध्यम से सुगम बनाया। उद्योगों के लिए गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कराने के साथ-साथ अब सोलर पैनल और बिजली से चलने वाली अत्याधुनिक भट्ठियों के संचालन की नई तकनीक देकर इस उद्योग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया गया। 'एक जनपद एक उत्पाद' (ओडीओपी) और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज' जैसी योजनाओं ने पूरे प्रदेश की आर्थिक व स्वास्थ्य संरचना का कायाकल्प कर दिया है। आज जब देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी विश्व पटल पर विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों को उत्तर प्रदेश के ओडीओपी उत्पाद उपहार स्वरूप भेंट करते हैं, तो संपूर्ण प्रदेश गौरव की अनुभूति करता है।

लोक-कल्याण के मोर्चे पर डबल इंजन सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश में 15 करोड़ जरूरतमंदों को मुफ्त राशन, 10 करोड़ लोगों को ₹5 लाख तक का आयुष्मान स्वास्थ्य कवच, 65 लाख गरीबों को पक्के आवास और 2 करोड़ से अधिक परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। इसके साथ ही, 15-16 लाख किसानों के निजी ट्यूबवेल के बिजली बिल पूरी तरह माफ कर उन्हें बड़ी राहत दी गई।

अन्नदाता किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से सीधे उत्तर प्रदेश के किसानों के बैंक खातों में ₹4,300 करोड़ से अधिक की रिकॉर्ड धनराशि सफलतापूर्वक हस्तांतरित की गई। आलू उत्पादक किसानों के असाधारण परिश्रम ने फिरोजाबाद को कृषि के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों पर स्थापित किया।

सांस्कृतिक विरासत के सम्मान की कड़ी में उन्होंने भारत की महान लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के त्रिशताब्दी वर्ष का उल्लेख किया, जिन्होंने संपूर्ण भारत में आक्रांताओं द्वारा नष्ट किए गए धर्मस्थलों का पुनरुद्धार कराया था। मुख्यमंत्री जी ने फिरोजाबाद में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की भव्य प्रतिमा के अनावरण और औरैया मेडिकल कॉलेज का नामकरण उनके नाम पर किए जाने को विरासत के प्रति कृतज्ञता बताया। उन्होंने दृढ़ संकल्प दोहराया कि सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, वैश्विक इंफ्रास्ट्रक्चर, समृद्ध धार्मिक पर्यटन और भव्य महाकुम्भ के ऐतिहासिक आयोजनों के माध्यम से उत्तर प्रदेश देश की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बनने की ओर निरंतर तेजी से अग्रसर है।

ताला नगरी से रक्षा आपूर्ति का नया केंद्र बना अलीगढ़: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 22 जून, 2026 को जनपद अलीगढ़ की विधानसभा कोल, अलीगढ़ शहर तथा नगर निगम अलीगढ़ की ₹462 करोड़ की लागत वाली 85 महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन युगांतकारी सौगातों में ₹177 करोड़ लागत की 40 परियोजनाओं का भव्य लोकार्पण तथा ₹285 करोड़ लागत की 45 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल रहा। इस गरिमामयी अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, प्रमाणपत्र, स्वीकृति पत्र, टूलकिट, आयुष्मान योजना के गोल्डन कार्ड तथा नए आवासों व कृषि यंत्रों की चाबियां वितरित कीं। जनसभा से पूर्व मुख्यमंत्री जी ने नवनिर्मित राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय का गहन निरीक्षण किया और विश्वविद्यालय प्रशासन, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों तथा पुलिस प्रशासन के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर जनपद की विकास योजनाओं एवं सुदृढ़ कानून-व्यवस्था की व्यापक समीक्षा भी की।

जनपद के अभूतपूर्व विकास का विवरण साझा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि विधानसभा कोल की ₹118 करोड़ लागत की 58 परियोजनाओं, विधानसभा शहर की लगभग ₹29 करोड़ लागत की 18 परियोजनाओं को धरातल पर उतारा गया। उन्होंने अलीगढ़ के परिश्रमी कारीगरों तथा हस्तशिल्पियों के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके अप्रतिम कौशल ने ही इस धरा को ताला नगरी और हार्डवेयर के वर्ल्ड क्लास सेंटर के रूप में विश्व पटल पर स्थापित किया है। कारीगरों के इसी विजन को नई ऊंचाई देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में अलीगढ़ के लिए 'डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर' का एक अत्यंत महत्वपूर्ण नोड स्वीकृत किया गया। इससे अलीगढ़ अब देश की सेनाओं के लिए अत्याधुनिक हथियार और सैन्य उपकरण बनाने वाला भारत की रक्षा आपूर्ति का एक प्रमुख गढ़ बनकर उभरेगा, जो रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सिद्ध करेगा।

देश की महान ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को नमन करते हुए मुख्यमंत्री जी ने संतोष व्यक्त किया कि राजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम पर विश्वविद्यालय निर्माण की जनता की बहुप्रतीक्षित मांग को वर्तमान सरकार ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर दिया है, जहां अब उच्च शिक्षा की आधुनिक सुविधाएं युद्ध स्तर पर विकसित की जा रही हैं।

अलीगढ़ के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और शहरी कायाकल्प की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि जनपद को एक सर्वसुविधाजनक 'स्मार्ट सिटी' के रूप में समन्वित रूप से विकसित किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग द्वारा अकेले अलीगढ़ जनपद में पिछले वर्ष ₹2,800 करोड़ की विशाल परियोजनाएं स्वीकृत की गई थीं, जिन पर कार्य तेजी से प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार के राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्रालय के सहयोग से अलीगढ़ को शानदार 6-लेन हाईवे की सौगात मिली है, जबकि शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए रिंग रोड और फ्लाईओवर का निर्माण भी तीव्र गति से कराया जा रहा है। इसके साथ ही युवाओं और आम नागरिकों के बेहतर भविष्य के लिए जनपद में नए पॉलिटेक्निक संस्थान, कॉलेज और आधुनिक चिकित्सालयों का पूरा नेटवर्क स्थापित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता को अपना परिवार मानते हुए मुख्यमंत्री जी ने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि वर्तमान सरकार विरासत के सम्मान और अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को नई रफ्तार देते हुए अलीगढ़ की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप इसे पूरे देश के समक्ष प्रगति और औद्योगिक समृद्धि के एक अद्वितीय मॉडल के रूप में स्थापित करने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

जनसुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता, पूरे प्रदेश में व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान संचालित हो : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 23 जून, 2026 को अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश की अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की। लखनऊ के अलीगंज में घटित आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना को एक बड़ा सबक बताते हुए मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि इस पीड़ादायक हादसे से सीख लेते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को हर हाल में रोकना होगा। इसके लिए उन्होंने पूरे प्रदेश में मिशन मोड में एक व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान संचालित करने के कड़े निर्देश दिए। इस विशेष अभियान के तहत सभी जनपदों में स्थित अस्पतालों, नर्सिंग होम, मेडिकल कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, शॉपिंग मॉल, सरकारी भवनों तथा अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की गहन जांच कर सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने दृढ़ता से कहा कि जनसुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इस अभियान को पूरी तरह जनहित में संचालित करने की रूपरेखा तय करते हुए मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि पहले बड़े पैमाने पर जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं और उसके बाद ही नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जाए। उन्होंने अधिकारियों को सचेत किया कि जांच के नाम पर किसी भी नागरिक अथवा व्यापारी का अनावश्यक उत्पीड़न नहीं होना चाहिए।प्रत्येक जनपद में विशेष टीमों का गठन कर फायर ऑडिट प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाएगा। इसके साथ ही, युवाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत सभी कोचिंग संस्थानों का विधिवत पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। सभी व्यावसायिक भवनों के स्वामियों को अग्निशमन विभाग से प्राप्त अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) को अपने परिसर में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना होगा। मुख्यमंत्री जी ने कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने विशेष बल देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में बेसमेंट के भीतर कोचिंग या अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित नहीं होने दी जाएंगी और यदि बेसमेंट पार्किंग के लिए स्वीकृत है, तो उसका उपयोग केवल वाहनों की पार्किंग के लिए ही सुनिश्चित किया जाए।

शहरी क्षेत्रों में ओवरलोडिंग से होने वाले हादसों को रोकने के लिए मुख्यमंत्री जी ने सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के विद्युत भार (लोड) का नए सिरे से आकलन कराने के निर्देश दिए। विद्युत लोड निर्धारित मानकों के विपरीत पाए जाने अथवा अन्य तकनीकी नियमों का उल्लंघन होने पर तत्काल प्रभाव से कठोरतम वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने आपातकालीन सेवाओं के 'रिस्पॉन्स टाइम' (घटनास्थल पर पहुँचने की गति) को न्यूनतम करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि संकट की घड़ियों में कीमती मानवीय जीवन को सुरक्षित बचाया जा सके। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए हादसे के समय तत्काल 14 एम्बुलेंस मौके पर भेजने की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के सभी सरकारी व निजी स्वास्थ्य संस्थानों की फायर सेफ्टी ऑडिट को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने को कहा।

अग्निशमन विभाग को अत्याधुनिक और वैश्विक स्तर की तकनीकों से लैस करने के लिए मुख्यमंत्री जी ने संसाधनों की उपलब्धता में किसी भी प्रकार के विलम्ब को पूरी तरह वर्जित किया। बैठक में महानिदेशक अग्निशमन सेवा द्वारा शासन को अवगत कराया गया कि प्रदेश की 350 तहसीलों में से 296 तहसीलों में वर्तमान में 326 स्थायी अग्निशमन केंद्र पूरी सक्रियता के साथ क्रियाशील हैं। इसके अतिरिक्त, जनता की सुविधा के लिए 26 नए अत्याधुनिक अग्निशमन केंद्र बनकर पूरी तरह तैयार हैं, जबकि 25 केंद्रों का निर्माण कार्य अत्यंत तीव्र गति से प्रगति पर है और 47 नए केंद्रों के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने शेष बची हुई तहसीलों में भी अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता को तत्काल सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय और पूरी उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया ताकि उत्तर प्रदेश को देश का सबसे सुरक्षित और आपदा-मुक्त राज्य बनाया जा सके।

सुरक्षा, स्थिरता और तीव्र विकास के मॉडल से उत्तर प्रदेश बना देश का अग्रणी निवेश गंतव्य : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 24 जून, 2026 को बेंगलुरु, कर्नाटक में आयोजित 'उत्तर प्रदेश ग्रोथ डायलॉग-2026 इण्डस्ट्री लीडर्स रोड-शो' कार्यक्रम के दौरान देश के शीर्ष उद्योगपतियों एवं निवेशकों को 'नये भारत के नये उत्तर प्रदेश' की विकास यात्रा को प्रत्यक्ष देखने और इसमें भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया। बेंगलुरु को गार्डेन सिटी से ग्लोबल टेक्नोलॉजी पावर हाउस के रूप में विकसित होते देखने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की मौजूदा ग्रोथ स्टोरी भी उतनी ही विहंगम और कौतुहल पैदा करने वाली है।

इस भव्य आयोजन में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े दिग्गज इण्डस्ट्री लीडर्स के साथ सार्थक संवाद स्थापित किया गया, जहाँ कर्नाटक चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री जी का विशेष सम्मान किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की अभूतपूर्व विकास यात्रा तथा निवेश की अपार सम्भावनाओं को प्रदर्शित करती हुई एक प्रभावी लघु फिल्म का प्रसारण भी किया गया, जिसने निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया।

आज उत्तर प्रदेश पूरे देश में थ्री-एस यानी सेफ्टी, स्टेबिलिटी तथा स्पीड का एक बेहतरीन मॉडल बन चुका है, जो किसी भी उद्योग की स्थापना के लिए सबसे महत्वपूर्ण आयाम होते हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में सुदृढ़ रूल ऑफ लॉ (कानून-व्यवस्था) स्थापित करने का ही परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश में विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, शानदार कनेक्टिविटी, पारदर्शी गवर्नेंस तथा शैक्षणिक व तकनीकी संस्थानों का एक मजबूत नेटवर्क क्रियाशील है।

नये उत्तर प्रदेश में निवेशकों को स्किल, टैलेण्ट, आधुनिक टेक्नोलॉजी तथा निवेश के अनुकूल सरकारी नीतियों का एक सम्पूर्ण ईको-सिस्टम उपलब्ध मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजनरी नेतृत्व में विगत वर्षों में वैश्विक मंच पर भारत की साख मजबूत हुई है और देश सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। इस राष्ट्रीय विकास यात्रा में उत्तर प्रदेश भी पिछले नौ वर्षों से एक प्रमुख सहभागी के रूप में आगे बढ़ रहा है।

विगत नौ वर्षों के अथक प्रयासों से उत्तर प्रदेश ने अपनी पुरानी 'बीमारू राज्य' और 'पॉलिसी पैरालिसिस' वाली नकारात्मक छवि को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है। जहाँ पहले विकास की चर्चा तक नहीं होती थी और कानून-व्यवस्था की स्थिति अत्यंत दयनीय थी, वहीं आज उत्तर प्रदेश में वह सब कुछ मौजूद है जो देश की तरक्की के लिए अपेक्षित है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश बेहतरीन लॉ एण्ड ऑर्डर और विश्वस्तरीय सड़क, रेलवे तथा एयर कनेक्टिविटी से सुसज्जित है।

वाराणसी से हल्दिया के बीच भारत का पहला राष्ट्रीय जलमार्ग और दिल्ली-मेरठ के मध्य पहली रैपिड रेल राज्य की आधुनिक परिवहन व्यवस्था की गवाही दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे वाला राज्य बन चुका है, जहाँ देश के कुल एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का अकेले 60 प्रतिशत हिस्सा मौजूद है। राज्य में 16 हजार किलोमीटर का व्यापक रेलवे नेटवर्क तथा 4 लाख किलोमीटर का विशाल सड़क नेटवर्क है, जबकि 7 प्रमुख शहरों में अत्याधुनिक मेट्रो ट्रेन की सुविधा संचालित है। ईस्टर्न व वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का महत्वपूर्ण जंक्शन भी प्रदेश के दादरी में स्थित है।

डबल इंजन सरकार द्वारा निर्मित सुरक्षा और स्थिरता के बेहतरीन माहौल के कारण उत्तर प्रदेश विगत छह वर्षों से लगातार रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बना हुआ है। देश की 'बॉटम थ्री' इकोनॉमी से बाहर निकलकर उत्तर प्रदेश आज 'टॉप थ्री' इकोनॉमी के गौरवशाली स्थान पर आ चुका है, और बीते नौ वर्षों में प्रदेश की इकोनॉमी तथा प्रति व्यक्ति आय को तीन गुना बढ़ाने में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त हुई है।

सभी सेक्टर्स में व्यापक निवेश आकर्षित करने के लिए सरकार ने 36 सेक्टोरल पॉलिसीज़ बनाई हैं और उद्योगों के लिए 75,000 एकड़ का विशाल लैण्ड बैंक तैयार किया है। इसके अलावा, एक्सप्रेस-वे से जुड़े 27 स्थानों पर इंडस्ट्रियल व लॉजिस्टिक क्लस्टर्स विकसित करने की दिशा में कार्य जारी है और बीडा (BIDA) के रूप में देश की सबसे बड़ी औद्योगिक सिटी की स्थापना की जा रही है। लगभग 26 करोड़ की विशाल आबादी वाला यह राज्य अपने मजबूत डेमोग्राफिक डिविडेण्ड के लिए जाना जाता है।

बुनियादी ढांचे को वैश्विक स्तर पर ले जाते हुए हाल ही में प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों द्वारा प्रदेश के सबसे लम्बे गंगा एक्सप्रेस-वे को राष्ट्र को समर्पित किया गया है तथा देश के सबसे बड़े नोएडा एयरपोर्ट का भव्य लोकार्पण भी संपन्न हुआ है, जहाँ से 15 जून से व्यावसायिक उड़ानें सफलतापूर्वक शुरू हो चुकी हैं। वर्तमान में राज्य में 5 अंतरराष्ट्रीय और 12 डोमेस्टिक एयरपोर्ट पूरी तरह से एक्टिव हैं तथा 5 अन्य नए एयरपोर्ट्स पर तेजी से कार्य चल रहा है।

इसके साथ ही उत्तर प्रदेश प्रति वर्ष 2 लाख साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एण्ड मैथमैटिक्स (STEM) ग्रेजुएट तैयार करने वाला कुशल पावर हाउस बन चुका है। राज्य में 2 आईआईटी, लखनऊ में आईआईएम, 3 राजकीय तकनीकी विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज तथा वोकेशनल एजुकेशन का मजबूत नेटवर्क है, जहाँ इमर्जिंग टेक्नोलॉजी से जुड़े आधुनिक पाठ्यक्रम संचालित कर इंडस्ट्री की जरूरत के अनुसार स्किल्ड मैनपावर तैयार की जा रही है।

कृषि और एमएसएमई के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। राज्य की कृषि विकास दर 8 प्रतिशत से बढ़कर वर्तमान में 18 प्रतिशत के एतिहासिक स्तर पर पहुँच चुकी है, जहाँ 86 प्रतिशत कृषि भूमि सिंचित है। 5 कृषि विश्वविद्यालयों और 89 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ते हुए हर जनपद में बेहतरीन मण्डी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

इसके साथ ही, प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयों का एक सुदृढ़ नेटवर्क है, जिसे 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ODOP) योजना के माध्यम से नई वैश्विक पहचान दी गई है। विगत नौ वर्षों में राज्य में 18 हजार से अधिक नए औद्योगिक संस्थान स्थापित हुए हैं और बड़े कारखानों की संख्या 14 हजार से बढ़कर 33 हजार से अधिक हो चुकी है।

राज्य के वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी ने भी सुदृढ़ कानून-व्यवस्था का उल्लेख करते हुए उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए सबसे सुरक्षित राज्य बताया। इस संवाद कार्यक्रम में एम्बेसी ग्रुप, कॉग्निजेण्ट और आईबीएम इंडिया जैसे प्रतिष्ठित वैश्विक कॉर्पोरेट समूहों के शीर्ष अधिकारियों ने भी भाग लिया और उत्तर प्रदेश के इस अभूतपूर्व स्केल, अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, एआई सिटी (लखनऊ) जैसी आधुनिक पहलों और सिंगल विण्डो रिफॉर्म (निवेश मित्र) की सराहना करते हुए राज्य को भविष्य की आर्थिक संवृद्धि का सबसे मुख्य केंद्र माना।

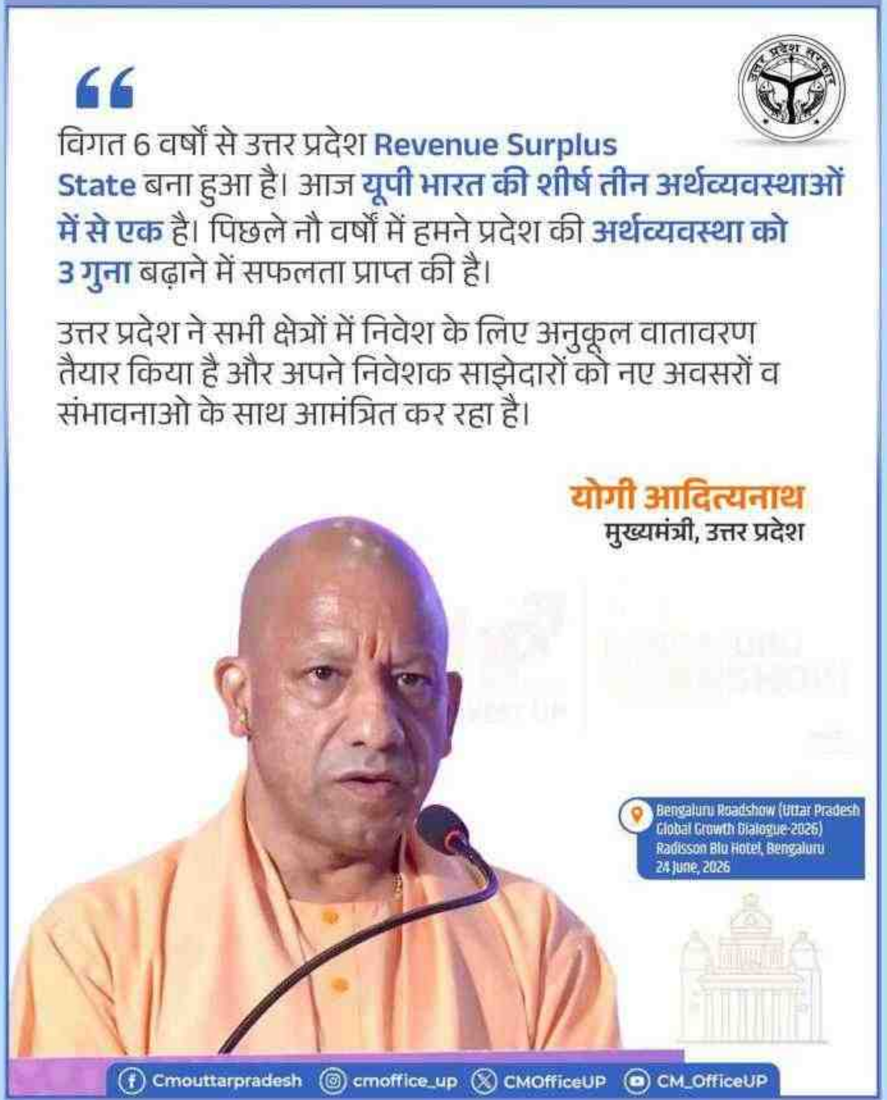

गूगल सहित वैश्विक दिग्गजों ने सराहा उत्तर प्रदेश के विकास का रोडमैप

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 24 जून, 2026 को अपने बेंगलुरु भ्रमण के दौरान विकसित उत्तर प्रदेश के विजन को वैश्विक टेक्नोलॉजी और निवेश जगत के साथ जोड़ने की दिशा में गूगल क्लाउड के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) श्री तरुण पंत और उनकी उच्चस्तरीय टीम के साथ एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक की। राउण्ड टेबल बैठकों और रोड शो से ठीक पहले आयोजित हुए इस विशेष संवाद में मुख्यमंत्री जी ने आम नागरिकों के जीवन को सुगम व बेहतर बनाने, किसानों की आय को दोगुना करने, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने, स्टार्ट-अप संस्कृति को बढ़ावा देने तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को आधुनिक टेक्नोलॉजी से लैस करने संबंधी राज्य सरकार के दूरदर्शी विजन को विस्तार से साझा किया।

बैठक में विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्लाउड टेक्नोलॉजी, डिजिटल गवर्नेंस और डेटा आधारित समाधानों के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विकास कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने पर गहन चर्चा हुई। मुख्यमंत्री जी ने इस बात पर भी विचार-विमर्श किया कि कैसे आधुनिक नवाचारों के जरिए सरकारी सेवाओं की पहुँच को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सहजता से सुनिश्चित किया जा सकता है।

इस महत्वपूर्ण बैठक को गूगल टीम के प्रतिनिधियों ने अत्यंत सकारात्मक और सार्थक बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश के चौमुखी विकास का एक बेहद स्पष्ट और प्रगतिशील रोडमैप सामने रखा है। गूगल इंडिया की ओर से राज्य सरकार की प्राथमिकताओं की सराहना करते हुए कहा गया कि कंपनी भारत के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर एआई और आधुनिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से इन लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने के अवसर को लेकर बेहद उत्साहित है।

अपने इस ऐतिहासिक बेंगलुरु दौरे के दौरान मुख्यमंत्री जी ने देश और दुनिया की अग्रणी निवेश एवं टेक्नोलॉजी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ भी एक विशेष और प्रभावी संवाद स्थापित किया। इस उच्चस्तरीय संवाद में वेस्टब्रिज कैपिटल के मैनेजिंग पार्टनर श्री संदीप सिंघल, एक्सेल पार्टनर्स के श्री प्रशांत प्रकाश, इनमोबी के संस्थापक श्री पीयूष शाह, यूलू के संस्थापक श्री अमित गुप्ता, एनवीडिया दक्षिण एशिया के प्रबन्ध निदेशक श्री विशाल धूपर, सर्वान एआई के सम्मानित प्रतिनिधि तथा ब्लैकस्टोन के वरिष्ठ अधिकारी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

वैश्विक उद्योग जगत के इन शीर्ष प्रतिनिधियों के साथ हुई इस बैठक में उत्तर प्रदेश के भीतर निवेश, अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी, नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्ट-अप ईको-सिस्टम के सुदृढ़ीकरण और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की संभावनाओं पर बिंदुवार सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरान उद्योग जगत के दिग्गजों ने उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड समय में तेजी से विकसित हुए विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और उद्योग-अनुकूल नीतियों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए राज्य को देश के भविष्य के विकास का सबसे प्रमुख और सुरक्षित केंद्र बताया।

मुख्यमंत्री जी के सशक्त और सक्षम नेतृत्व में उत्तर प्रदेश लगातार निवेश, नवाचार और टेक्नोलॉजी आधारित विकास का नया राष्ट्रीय चेहरा बनकर उभरा है। राज्य के एक्सप्रेस-वे, अत्याधुनिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, विशाल औद्योगिक गलियारे, सुगम डिजिटल सेवाएं और सिंगल विंडो क्लीयरेंस जैसी निवेशक-अनुकूल नीतियों ने आज उत्तर प्रदेश को देश के सबसे आकर्षक निवेश गंतव्यों में शीर्ष पर स्थापित कर दिया है। बेंगलुरु में गूगल और दुनिया के बड़े निवेशकों के साथ हुआ यह ऐतिहासिक संवाद साफ संकेत देता है कि सुरक्षा, स्थिरता और तीव्र विकास के मॉडल पर चलते हुए अब उत्तर प्रदेश टेक्नोलॉजी, एआई, स्टार्ट-अप, वैश्विक निवेश और रोजगार सृजन का सबसे बड़ा राष्ट्रीय केंद्र बनने की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ चुका है।